



॥ श्री वरुण देव भजन ॥
॥ ॐ अपां पतये वरुणाय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री वरुण देव भजन ॥

जल के स्वामी वरुण देवा,
आओ मेरे द्वार।
करुणा की वर्षा बरसाओ,
भर दो सुख भंडार॥

सागर, सरिता, झील तुम्हारी,
तुमसे जीवन सारा।
धरती अंबर तुमसे शोभित,
तुम हो जग के तारा॥
कर दो जीवन निर्मल मेरा,
सुन लो मेरी पुकार॥
जल के स्वामी वरुण देवा...

मेघ बनो तो अमृत बरसो,
सूखी धरती हँस जाए।
अन्न, धन और हरियाली से,
हर आँगन महक जाए॥
सब पर अपनी कृपा बरसाओ,
रखना सदा दुलार॥
जल के स्वामी वरुण देवा...

सत्य, धर्म के तुम हो रक्षक,
पाप सभी हर लेते।
भक्त जनों की विनती सुनकर,
संकट दूर कर देते॥
पाशधारी दीनदयाला,
कर दो भव से पार॥

निर्मल जल सा मन हो मेरा,
निर्मल हो व्यवहार।
प्रेम, दया और सत्य के पथ पर,
चलूँ सदा हर बार॥
ज्ञान, भक्ति और शक्ति देकर,
कर दो उद्धार॥
जल के स्वामी वरुण देवा...

रोग, शोक सब दूर भगाओ,
सुख-समृद्धि घर लाओ।
तन-मन-धन सब अर्पित तुमको,
अपने चरण बसाओ॥
भक्त तुम्हारा शीश झुकाए,
कर लो अब स्वीकार॥
जल के स्वामी वरुण देवा...

(समापन)
जय-जय वरुण देव भगवान,
जय जल के आधार।
भक्तों पर कृपा सदा रखना,
भर दो जीवन प्यार॥
जल के स्वामी वरुण देवा,
आओ मेरे द्वार॥